

21.9.25

21/9/25 वाही एवं लकड़ी वाही उप. नहीं।
सा-बा ज्ञाताज दिवारी नहीं।
किन्तु कोई उपस्थित नहीं आया।
ऐसी स्थिति में दादा वाही अहम
हाजरी एवं अहम पैरवी में स्थापित
किया जाता है। पत्रा. दायित्व दफ्त
है।

उपखण्ड अधिकारी
पहाड़ी (डीग)